

HARROWING (adj.) : अरुन्तुदः (दा, दं) : v. Heart-rending, horrible.

HARSH : (1) कर्कशः (शा, शं), *h. like the lotus stalk* : अम्मोजनालकर्कशः, Vi. ; *this man is h. (in appearance)* : कर्कशोऽयं पुरुषः, D. iv. ; *h. to the ear* : कर्णकर्कशः (शा, शं), N. ; *this is the h. end of my peacefulness* : एष मे प्रशमस्य कर्कशः परिणामः, Vi. ii. ; (2) रुक्षः (क्षा, क्षं) (=rough), *lotus-film is sweet (but) h. (in taste)* : मृणालं मधुरं रुक्षम्, Bha. ; *in a h. tone* : रुक्षेण स्वरेण, Mah. ; *of exceedingly h. resolution towards the daughter of Janaka* : जनकात्मजायां नितान्तरुक्षामिनिवेशः (शा, शं), R. xiv. 43 ; (3) परुषः (षा, षं) (of words), *h. language* : परुषं वाक्यम्, Ram. : v. Also hard, cruel.

HARSHLY : (1) कर्कशम् ; (2) रुक्षम् ; (3) परुषम्, Mah. or परुषाक्षरम्, R. (in harsh words) : v. Also cruelly.

HARSHNESS : (1) कर्कशता, -त्वम् or कार्कश्यम्, R. ; (2) रुक्षता or रौक्ष्यम्, *forgive my h.* : रौक्ष्यं मे क्षमस्व, R. xiv. 56. ; (3) परुषता or पारुष्यम् (of language), *h. is not good* : परुषता न साध्वी, Ki. ix. 39.

HART : (1) मृगः ; (2) हरिणः ; (3) कुरङ्गः, -मः.

HARVEST : (sub) : I. The season : लवः, *h. is the reaping time* : लवः शस्यच्छेदनकालः, Nil. II. The crops : शस्यानि (n. pl.).

HARVEST (v.) : लुनाति (लु, c. 9. ), *in sowing, in h. ing* : वपने लवने, Pa : v. To reap.

HARVESTER : (1) लावकः, N. d. ; (2) लवनकर्तृ (f. त्री), K. b. : v. Reaper.

HARVEST-HOME : नवान्नम् (?).

HASH (subs.) : कुट्टितं सिद्धमांसम् (?); वेसवारः, Sr.

HASH (v.) : कुट्टयति (कुट्ट, c. 10. ) : v. To chop, mince.

HASP : कुडुपः (?).

HASSOCK : (1) कटः ; (2) कुशासनम् (used by Brahmins).

HASTE (subs.) : त्वरा, *of doubled speed from h.* : त्वराद्विगुणरंहस् (mfn.), Ku. ii. 68. ; *to make h.* : v. To haste ; *in h.* : v. Hastily.

HASTE, HASTEN (v.) : I. Intrans : त्वरते (त्वर, c. 1. ), *h., h. the sages are calling* : त्वरस्व, त्वरस्व श्रुषयः शब्दायन्ते, Sa. : v. Also to fly, run. II. Trans : (1) त्वरयति (c. of त्वर्), *who h. s*

*crowds in the way* : वृन्दानि त्वरयति पथि, Me. ; *h. his dinner* : त्वरयास्य भोजनम्, v. ii.

HASTILY : (1) त्वरितम् ; (2) सत्वरम् ; (3) त्वरान्वितः (ता, तं) and sim. comp.s, Ram. ii. 13. 20. ; (4) क्षिप्रम् : v. Quickly. Ph. : *should not do a thing h.* : सहसा विदधीत न क्रियाम्, Ki. ii. 30.

HASTINESS : I. Haste : त्वरा. II. Rashness : q.v. : असमोक्ष्य- or आविमृष्यकारिता. III. Irritability : शीघ्ररागिता, and sim. comp.s.

HASTY : I. Quick : q.v. : त्वरितः (ता, तं). II. Rash : q.v. : असमोक्ष्य- or अविमृष्य-कारिन् (f. णी), III. Of words : अविमृष्य (f. ण्या) or अन्याय-, in comp. (=unjust).

HAT : पाश्चात्यशिरस्कम् : v. Cap, turban.

HATCH (v.t.) : I. Lit. : बिभर्ति (भृ, c. 3. ), *ants h. but do not break their eggs* : अण्डानि बिभर्ति स्वानि न भिन्दन्ति पिपीलिकाः, Mah. II. Fig. : to contrive, form : q.v. : सं-कल्पयति (कृप्, c. 10. ).

HATCH (subs.) : in a deck : \*प्रवेशपिधानम्. *To be under the h. s* : (lit.) अवरुद्धः (द्धा, द्धं) ; (fig.) अवसन्नः (न्ना, न्नं).

HATCHET : टङ्कः, *cut with axes, and h. s and with bills.* : कुठारैष्टङ्कैश्च दात्रैश्चैव प्रचिच्छिदुः, Ram.

HATE (subs.) : v. Harted.

HATE (v.) : (1) द्वेष्टि, वि-, (द्विप्, c. 2. ), *h. s beautiful (things)* : रम्यं द्वेष्टि, Sa. ; *bad men h. the doings of the great* : द्विषन्ति मन्दाश्रितं महात्मनाम्, Ku. ; (2) जुगुप्सते (जुगुप्स्, c. 1. ) (stronger than h. ing) ; (3) घृणां करोति.

HATEFUL (adj.) : I. Malignant : q.v. : *with h. eyes* : विद्वेषचक्षुषा. II. Hated, odious : (1) घृणितः (ता, तं) ; (2) घृणार्ह (f. हर्हा) ; (3) गर्हितः (ता, तं) ; (4) निर्घृण (f. णा), *where all practices are more h. than the hearts of people* : लोकहृदयेभ्यो निर्घृणतरसर्वसंव्यवहारम्, K. ii.

HATEFULLY : I. With hate : (1) सद्देषम् ; (2) द्वेष-भावेन ; II. Odiously : (1) घृणितम् ; (2) गर्हितम् ; (3) जुगुप्सितम्.

HATEFULNESS : I. Lit. : द्वेषिता, वि-, II. Hatedness : (1) घृणितता ; (2) गर्हितता.

HATRED : (1) द्वेषः, वि-, *one who does good to a king becomes the object of h. with the people* : नरपतिहितकर्ता द्वेष्यतां याति लोके, P. i. 3. (2) घृणा,